Title: Regarding killing of villagers by militants in Doda District and requests the Hon'ble Minister to make a statement on the action plan of the Government to combat militant activities in Jammu and Kashmir.
12.04 hrs.

MR. SPEAKER: Now, the House will take up Zero Hour.

Shri Sharad Pawar.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I have called Shri Sharad Pawar.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: The Leader of Opposition is on his legs. I will call you after him.

श्री शरद पवार (बारामती) : अध्यक्ष महोदय, कल जम्मू-कश्मीर में खास कर डोडा जिले में १६ लोगों की हत्या कर दी गई। वहां की स्थिति दिन-प्रतिदिन गम्भीर हो रही है। कल सुबह अतिरेकी शक्तियों ने दो गांवों पर हमला किया और लोगों को घर से बाहर निकाल कर गोली से मार दिया।

इनमें से दो महिलायें थीं और एक मुंशी राम नाम का आर्मी जवान था जो छुट्टी मनाने के लिये आया हुआ था। यह दूसरा बड़ा हमला है।

In fact, terrorism is creating havoc in the entire valley.

इससे पहले होम मिनिस्टर साहब खुद होकर आये थे और उन्होंने जिम्मेदारी अपने कंधे पर ली थी। इस सदन को और देश की जनता को स्थिति में सुधार करने का आश्वासन दिया था परन्तु न तो परिस्थिति में कोई बदलाव आया और न ही कोई सुधार हुआ। वहां की परिस्थिति और खराब हो रही है। इस सरकार के आने के पहले जम्मू कश्मीर में सुरक्षा दल की १३ बटालियन दी गई थी और बाद में ११ कर दी गई। इस प्रकार उसमें से दो बटालियन्स विदड़ा कर ली गई जबकि वहां परिस्थिति दिन-ब-दिन खराब हो रही है। डोडा डिस्ट्रिक्ट में मेरी पार्टी के लोगों के एक डैलीगेशन ने मांग की थी कि यहां पर सुरक्षा दल भेजो, जवान भेजो और हमारी रक्षा करो। लोगों ने कहा था कि २-३ दिन अनाज नहीं मिलेगा तो कोई बात नहीं परन्तु गोलियों से हमारा बचाव करो। इस प्रकार की मांग हमारी कांग्रेस पार्टी की तरफ से एक डैलीगेशन में माननीय प्रधानमंत्री के सामने की गई थी। मुझे लगता है कि इस परिस्थिति में सुधार लाने के लिये इस सरकार द्वारा कोई तैयारी होती नही दिखाई दे रही है। इस समय जो परिस्थिति वहां पैदा हो रही है, उसके लिये सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। कल जो लोग मारे गये, वे १६ के १६ हिन्दू थे और तीन दिन पहले जिन लोगों की मृत्यु हुई, वे सब लोग मुस्लिम थे। इस तरह से वह कौन से समाज का व्यक्ति है, कौन से धर्म का व्यक्ति है, यह बात इम्पार्टेंट नहीं है परंतु आतंकवादी वहां जाकर हमले करते हैं, यदि उनको नियंत्रित करने के लिये कोई कदम नहीं उठायेंगे तो परिस्थिति और खराब होगी। इसलिये मैं होम मिनिस्टर से मांग और अनुरोध करना चाहता हूं कि सदन के सामने आकर देशवासियों के सामने पूरी स्थिति रखनी चाहिये और आवश्यकता हो तो इस बारे में एक दिन डिटेल में डिसकशन कराया जाये।

">SHRI RAJESH PILOT (DAUSA): Mr. Speaker, Sir, when such an incident happened last month, the Home Minister promised a pro-active policy. Shri Sharad Pawar is right. We called on the Prime Minister and we told him very clearly that the unified command is not working. Today, the newspaper report says that the defence committees are not working there. The State Government is not functioning and this Government is keeping quiet.

Sir, they have to come out with an Action Plan to the House as to what they are going to do in future. The Home Minister must make a statement today about the Government's future plan and how they are going to secure the lives of the people, especially in Doda district, because such incidents are increasing day by day. The Government must immediately come out with its Action Plan to the House, because we cannot tolerate this type of incidents everyday in that area. (Interruptions) It had never happened like this earlier, except once.

">SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Mr. Speaker, Sir, the situation in Jammu and Kashmir, particularly in Doda district, is very serious. Two incidents have taken place there within a week. In one incident more than 10 people have been killed and in another incident 18 people have been killed. The Home Minister has announced on the floor of this House that pro-active action would be taken against such activities of the militants. But he has not spelt out the plan of action of the Central Government to tackle such situations. Our experience is that since this Government has come to power such incidents are increasing day by day. The State

Government is not functioning properly and there is no administration in Doda district. The Central Government is quite inefficient and incapable of tackling the situation.

Sir, I demand that the Home Minister should come to this House immediately. Yesterday, while replying to the debate on atrocities on women he referred to that incident.

Mere reference to that incident will not do. We want to know what is the action plan of this Government and how the Government intend to combat militant activities in Jammu and Kashmir, particularly in Doda district. I demand that the Minister of Home Affairs should come immediately and tell the House as to what is the action plan of this Government.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri C.P. Radhakrishnan, please sit down.

">

श्री सत्य पाल जैन (चंडीगढ़): अध्यक्ष जी, विपक्ष के नेता माननीय शरद पवार जी ने जो मामला उठाया है और उन्होंने जो बात कही है कि कल उग्रवादियों ने जो लोग मारे वह हिन्दू थे और जो परसों मारे वह मुसलमान थे। मैं समझता हूं कि सारे सदन में इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती हैं कि जो जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद चल रहा है, उस उग्रवाद पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जब उग्रवादी मारने आता है तो वह एक पर्टिकुलर मोटिव के साथ आता है, टार्गेट के साथ आता है कि एक पर्टिकुलर कम्यूनिटी के लोगों को मारा जाए ताकि वहां पर दो समुदायों के बीच गतिरोध पैदा हो सके और कुछ लोग वहां से निकलें। मैं पंजाब में चंडीगढ़ से आता हूं जहां हमने १५ साल इस चीज़ को झेला है, लेकिन जो बात आपने और बसुदेव आचार्य जी ने कहा है या बाकी सदस्यों ने कही है, मैं उनसे विनती करना चाहता हूं कि इस देश में उग्रवाद बीजेपी की सरकार आने के बाद नहीं हुआ, वी.पी.सिंह की सरकार जब थी, तब भी उग्रवाद था। गुजराल साहब की सरकार थी तब भी उग्रवाद था और नरसिम्हा राव जी की सरकार थी, तब भी था।

... (व्यवधान)

मैं कहना चाहता हूं कि लाशों पर राजनीति मत करें। उग्रवाद नरसिम्हा राव के दौर में भी गलत था और आज भी गलत है।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, जब यह वाकया हुआ तो हिन्दुस्तान का पहला ग़ृह मंत्री था भारतीय जनता पार्टी का जो डोडा में जाकर तमाम लोगों की बात सुनकर आया, लोगों में गया। इनके ग़ृह मंत्री सईद साहब बैठे हैं, जो वाकया होता था तो लंदन चले जाते थे और बंगलौर में प्रेस कॉनफ्रेन्स किया करते थे। मैं आज इसलिए कहना चाहता हूं कि सारा सदन इस बात पर सहमत है कि इस पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उग्रवादी चाहे पाकिस्तान से आए हों या हमारे देश के हों, उन पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए और वहां पर सेना भेजी जाए ताकि वहां पर शांति हो सके।

... (व्यवधान)

">PROF. SAIFUDDIN SOZ (BARAMULLA): Mr. Speaker, Sir, this is my appeal to this august House that we must, first of all, condemn this act of terrorism. The politics can come later. This is a crime against humanity. It is a heinous crime and it must be dealt with very severely. We must condemn terrorism and the sponsors of terrorism. They are trying to foment trouble in Doda district. This is for the third time that they have done this massacre. We condemn this terrorism and the sponsors of terrorism. We must rise against these crimes as one man.

Sir, I want to caution this august House. So many people say so many things about the State Government. This is the primary responsibility of the Government of India to control borders. There was a situation in 1993-94 - I single out those two years - when people crossing border were dealt with at the border. What has happened to that situation? How do these people enter into the country? How do they enter Doda district? That is not the responsibility of the State Government. They cannot control the situation with a handful of policemen.

So, I join this august House in expressing anguish against these innocent killings. This is a crime against humanity. Let us condemn this and hold a resolution by cutting across party lines. I would appeal to the Minister of Parliamentary Affairs that he must call Shri Advani here. The hon. Minister of Home Affairs must speak because the Home Secretary has gone there.

So, I request that a Parliamentary Committee representing all the parties must visit Doda to assess the situation there and report back to this august House. In the meantime, the hon. Home Minister should come and make a statement here.

">

श्री बलराम जाखड़ (बीकानेर): अध्यक्ष महोदय, कोई भी जान जाती है तो दुख होता है, किसकी जान जाती है, यह बात दूसरी है। मनुष्य पर जो अत्याचार होता है उसके खिलाफ इस हाउस को एक होना चाहिए। इसमें न इस पक्ष का प्रश्न है और न इस पक्ष का प्रश्न है। यह अंतरआत्मा की आवाज

... (व्यवधान)

एक तकलीफ होती है, दिल में एक दर्द उठता है कि आज यह क्या हो रहा है। सुना करते थे कि मौत और जिंदगी भगवान के हाथ में है, लेकिन आज वह सब गलत होता नजर आता है। आज आततायी जिसको जी चाहे मार देते हैं। पता नहीं नई एन.जी.ओज. इकट्ठी हुई हैं, जो मारता है उनके लिए तो ह्यूमैन राइटस की बात करती है, इनके लिए कोई आवाज नहीं उठाता है कि ह्यूमैन राइटस का वायलेशन हो रहा है। एक तमाशा बना रखा है। मैं समझता हूं कि चाहे आपकी सरकार आये या हमारी सरकार आये या चाहे किसी की भी सरकार आये, हमें मिलकर काम करना चाहिए और इसको दबा देना चाहिए। यह क्या तमाशा है, यह क्या तरीका है। एक जेहाद जैसा चल रहा है, यह राज करने का तरीका नहीं है। मैं इस बात को मानता हूं कि यदि सरकार का मन बन जायेगा तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। हमें डटकर काम करना चाहिए। मैं चाहता हूं कि होम मिनिस्टर यहां आयें और बतायें कि वह क्या करना चाहते हैं। हमारे दिल में एक दर्द उठता है कि देश में इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, हमें बहुत कष्ट होता है। हमारे दिल में एक कराहट उठती है कि उन लोगों का क्या हाल है, वे क्या सोचते होंगे, उनके बच्चे कहां जायेंगे। अपने देश में यह हाल है और हम बात करने जा रहे हैं, किससे बात करेंगे, क्यों करेंगे। हमारे हाथ में दम होना चाहिए। 'लानत है कमजोरानूं, दुनिया मनदी जोरानूं', इनको ठीक कर दो।

">

श्री मोहन सिंह (देवरिया): अध्यक्ष महोदय, निर्दोष नागरिकों की हत्या की मैं घोर निंदा करना चाहता हूं और मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार ने आज से एक महीना पहले रक्षा मंत्रालय, वहां की सरकार और गृह मंत्रालय की संयुक्त बैठक करके उग्रवादी तत्वों के सफाये के लिए एक संकल्प किया था और भारत के गृह मंत्री ने वहां जाकर जनता के बीच में इस बात को कहा था कि जो सरकार निर्दोष लोगों की रक्षा नहीं कर सकती, उस सरकार को राज करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। मैं आज उनकी नैतिकता को चुनौती देता हूं। पहले कश्मीर का मामला प्रधान मंत्री के मंत्रालय में था, जब से यह गृह मंत्रालय के अधीन आया है, वहां निर्दोष लोगों की हत्या की घटनाएं बहुत तेजी से बढ़ गईं, एक नरसंहार का सिलसिला शुरू हो गया। हम इसके लिए किसको जिम्मेदार मानें, यह सरकार को बतलाना पड़ेगा। जब खुराना जी इधर बैठा करते थे और यदि कोई इस तरह की घटना होती थी तो कश्मीरी पंडितों के लिए सबसे अधिक यही बोला करते थे। आज आप सरकार में बैठे हैं। ऐसी सरकार को त्यागपत्र दे देना चाहिए और अपनी नैतिक जिम्मेदारी माननी चाहिए। ऐसी घटनाओं के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वातावरण बनाने के लिए एक सर्वानुमति इस संसद में बननी चाहिए। यही मैं आग्रह करता हूं।

">SHRI MADHUKAR SIRPOTDAR (MUMBAI NORTH-WEST): Mr. Speaker, Sir, thank you very much for giving me this opportunity.

It is most unfortunate that practically everyday these terrorists are playing havoc with the lives of the people in Jammu and Kashmir. We do not know wherefrom these people come and what they do. In order to protect our own people, what our Government is doing is a very big question. It is a matter of fact that despite providing Border Security Force, Jawans and local police, all these incidents are taking place practically everyday, and we are shouting here. The entire country is very much worried about all these incidents only because innocent persons have been killed in all these incidents.

Mr. Speaker, Sir, somebody says that some Muslims have been killed but the Hindus have been spared. My approach is entirely different on this issue. It is not a question of whether a Muslim or a Hindu is killed, whoever is killed within our territory, it should be taken very seriously.

After all, they are Indian Muslims and Indian Hindus and they belong to our country. (Interruptions)

About Bangladeshi people, let me tell you very frankly again that the policy of the Maharashtra Government is, if at all they are Bangladeshi people and if they are illegally staying in our country, they should be thrown out of the country. The other day the entire House has raised an uproar and they were shouting about this matter.

I was expecting a similar spirit in the House today when 16 Hindus have been killed yesterday in Kashmir and prior to this, three Muslims were killed. My own contention and anguish is that we should take this matter seriously. Shri Chaman Lal Gupta, who is not here in the House now, was saying that some defence forces have been withdrawn from that entire area and the life of the people is very much under threat. The Government has

to come out and say why those defence forces have been withdrawn. Whatever may be the cost, it is the utmost responsibility of the Government, as Shri L. K. Advani said in Jammu at that time, to protect the lives of the citizens of this country. I think that whatever the cost and consequences, eventually this Government should take up this responsibility and see that this should be the last incident and it will not be repeated and those families who have suffered should be helped and protection should be given to those families.

Thank you very much.

">KUMARI MAMATA BANERJEE (CALCUTTA SOUTH): Mr. Speaker, Sir, Kashmir is a Heaven on earth and it is the heart of our country. We are proud of Kashmir. But what is happening in Kashmir today? Everybody is concerned about the matter. I think that we should not indulge in any politics regarding Kashmir. The situation on Kashmir and Punjab borders is very serious. Terrorism is nothing new today. We have lost our great leaders like Shrimati Indira Gandhi and Shri Rajiv Gandhi because of terrorists and terrorism in this country. this time this type of situation has arisen because of the violence spreading from outside. It is also sad that they want to create some problems and to show to other countries that India is facing a serious problem and that India can be disturbed. But we should realise that Kashmir is the heart of India and the State Government and the Central Government have to deal in a strong way whatever is happening in Kashmir.

I must appreciate this Government that after coming back to power, of course, the Home Minister went to Kashmir along with other Ministers also. I have seen that the Railway Minister, the Defence Minister and the Chief Minister also attended the meeting held in connection with Kashmir and they are planning to do something, but in this matter we should not be divided. I think it is better that the Government should give more support to Kashmir and specially in Doda. So, it appears that some plan is going on to divide Hindus and Muslims. My appeal to all sections is, do not divide us in the name of Hindus and Muslims and do not divide this country by preaching communalism and secularism. Let us give more support to the jawans who are fighting on the borders of this country and who are giving their blood for the country. We have to give more and more support to the State Government of Jammu and Kashmir. The Central Government and the State Government should sit together and they should take action.

I am surprised when one hon. Member has said that the State Government there is sleeping. It cannot be said like this because Dr. Farooq Abdullah is a very important man and he is trying his best. (Interruptions) He is a patriotic man also. You may differ from me. You do not want to discuss the matters of your State, if they are raised. You want to discuss the matters of other State, if they are raised!

Kashmir and Punjab are the two States where we should condemn terrorism. You should not forget that when the United Front Government was in power, the daughter of the then Home Minister, Shri Mufti Mohammed Sayeed, was kidnapped. This is a serious matter. We should not take the problem of Jammu and Kashmir lightly. The Prime Minister made many statements on Kashmir. The Home Minister should come to this House and make a specific statement. If the hon. Members want, you should send a team to Jammu and Kashmir, along with Opposition Leaders. The Government should accept whatever the team suggests because sometimes we have to arrive at a consensus to do something in the interests of the country.

So, I appeal to the House that we should not divide ourselves especially on the terrorist issue. We have to give moral support to our jawans who are fighting the terrorists. Everyday, they are shedding their blood for the security of the country. But we are criticising here. We have to see to their interests also. We have to see to the interests of the people also.

Regarding rehabilitation measures for the affected people, especially the victims of terrorism, the people who are shedding their blood for the country, I appeal to the Government that each family should be given at least rupees five lakh as compensation and each family should get one employment from the Central Government. Therefore, I urge upon the Government to consider this request...(Interruptions)

">DR. SUBRAMANIAN SWAMY (MADURAI): Sir, this is the fourth major incident in Doda involving the Kashmiri pandits. We are participating, all over the world, in ethnic cleansing conferences - whether it is in Bosnia or other places. But systematically whether the other communities are being targeted is unimportant for

us now. The fact is that the Kashmiri pandits have been suffering for the last ten years. They have been demanding the concept of "Panoon Kashmir" as their only security. I would like the Government to address themselves to this demand of the Kashmiri pandits and also atone for the fact that since they came to power, these incidents are exponentially rising. And for atonement, the Home Minister should resign. That is my demand...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat.

... (Interruptions)

श्री शकुनी चौधरी (खगड़िया): अध्यक्ष महोदय, क्या समता पार्टी की तरफ से आपको कोई नजर नहीं आता?

... (व्यवधान)

बाकी सब पार्टियों की तरफ से आपको नजर आ रहा है। ... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): अध्यक्ष जी, सब पार्टियों के नेता को आप बोलने दीजिए।

... (व्यवधान)

">SHRI RAM VILAS PASWAN (HAJIPUR): Sir, this is a very serious issue. The other political parties also want to express their views. A message should not go that some political party has not supported it. Let all the political parties, which want to express their views on the subject, express their views. After that, the Minister can reply.

अध्यक्ष महोदय : सरकार की तरफ से मंत्री जी बोलेंगे।

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat. Now, Shri Ram Vilas Paswan to speak.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : अध्यक्ष जी, इस घटना की जितनी निंदा की जाये, उतनी ही कम है। मैं समझता हूं कि यह जाति, धर्म और सरकार से जोड़ने का सवाल नहीं है। ऐसा नहीं है कि आज के प्रधान मंत्री जी वहां दो बार गये हैं,देवेगौड़ा जी चार बार गये हैं, गुजराल साहब पांच बार गये हैं और रेल मंत्री की हैसियत से हम वहां दर्जनों बार गये हैं। यह सब कहने की जरूरत नहीं है। मोहन सिंह जी ने जो कहा, मैं उसका सपोर्ट करता हूं कि जो सरकार अपने देश की जनता की जान-माल की रक्षा नहीं कर सकती, उस सरकार को अपने पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है, चाहे कोई भी सरकार हो। यह सरकार लोगों की जान-माल की रक्षा करने में विफल रही है।

MR. SPEAKER: Shri Arif Mohammed Khan.

SHRI ARIF MOHAMMED KHAN (BAHRAICH): Sir, thank you very much for calling me to speak. If order is restored, I will speak...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I am appealing to the hon. Members not to politicise the issue.

Shri Arif Mohammed Khan to speak now.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I have already called Shri Arif Mohammed Khan. Please take your seat.

... (Interruptions)

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): Sir, this is a serious issue. I request the hon. Members not to shout. What is this?...(Interruptions)

... (व्यवधान)

">

श्री आरिफ मोहम्मद खां : माननीय अध्यक्ष जी, आज जो कुछ अखबारों में छपा है, जो भावनाएं, दुख और व्यथा इस सदन में व्यक्त की गई है, मैं मानता हूं कि शब्दों में वह क्षमता नहीं है कि उस दुख को व्यक्त किया जा सके, जो दुख आज पूरा देश महसूस कर रहा है। श्रीमन्, मेरा मानना है कि यदि एक निर्दोष व्यक्ति मारा जाए, यह अपने आप में जघन्य अपराध है और यदि एक से ज्यादा मारे जाएं तो वह केवल आंकड़े। जघन्यता इसलिए नहीं बढ़ जाती कि कई निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या हुई है, जघन्यता इसलिए है कि मारे जाने वाले लोग, अपनी जिंदगी से हाथ धोने वाले लोग वे हैं जिन्होंने कोई अपराध नहीं किया, केवल उनके ऊपर कोई खास लेबल लगाकर उनको निशाना बना दिया गया है। इसकी जितनी भी निन्दा की जाए, वह कम है। लेकिन अफसोस इस बात का होता है कि ऐसे मौकों पर मामले की गहनता को स्वीकार किए बिना, कहीं न कहीं किसी को तो जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी। हम अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करते हैं। यदि आप इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि समाज विरोधी तत्व हैं, यदि आप इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि आई.एस.आई. का हाथ है,

... (व्यवधान)

मैं जरा पूरा कर दूं और यदि आप कहें तो बैठूं।

... (व्यवधान)

यदि समाज विरोधी तत्व हैं तो पूरा शासन आपके हाथ में है, शासन की ताकत को इस्तेमाल कीजिए और उन लोगों को कुचलिए जो समाज विरोधी काम करते हैं। यदि आई.एस.आई. का हाथ है तो कैसी यह सरकार है? ... (व्यवधान) आज की जो समस्या हमारे सामने हैं, मैं उस पर चर्चा कर रहा हूं। किसी को जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी। यदि आई.एस.आई. का हाथ है तो क्या हमारे बार्डर, हमारी सीमाएं बिना सैनिकों के हैं? आई.एस.आई. वाले कहां से आ जाते हैं? क्या हमारे अंदर शासन चलाने की यह क्षमता भी नहीं है कि यदि दूसरे देश से भेजे हुए एजैंटों के जरिए हमारे नागरिकों की जानें ली जाती रहें, उनकी जिंदगी तंग की जाती रहे तो हम उन पर अंकुश न लगा सकें? मैं यह कहने के लिए मजबूर हूं। जो बात मैं जोर देकर कहना चाहता हूं, वह यह है कि इसके लिए किसी न किसी को जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी। अंधेरे में तीर चलाने से आपकी जिम्मेदारी नहीं बच जाएगी। इस देश के नागरिकों की जान-माल और इज्जत की सुरक्षा का जिम्मेदार कौन है, यह देखना आपका काम है। आपके पास उन लोगों के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए पूरा शासन, पूरा प्रशासन, पूरा तंत्र है। मैं इसमें नहीं जाना चाहता कि कौन जिम्मेदार है।

... (व्यवधान)

लेकिन यह प्रवृति कि अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए ऐसे नाम लिए जाएं जहां यह ढूंढना भी मुश्किल हो जाए कि कौन खास लोग हैं जिनको चिन्हित किया जा सके, जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। मैं इस हालत को देखते हुए एक ही बात कह सकता हूं -

तू इधर-उधर की न बात कर

ये बता कि काफिला क्यों लुटा

मुझे राहजन से गरज नहीं

तेरी रहबरी का सवाल है।

एक्ट करिए, कार्यवाही कीजिए। यदि आप कार्यवाही नहीं करेंगे तो हमारे पास यह कहने के अलावा कोई चारा नहीं रहेगा-

मैं बताऊं कि काफिला क्यों लुटा

तेरा रहजनों से था वास्ता

मुझे राहजन से गिला नहीं

तेरी रहबरी पे मलाल है।

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): अध्यक्ष महोदय, आज सदन में जिस गंभीर घटना पर चर्चा चल रही है, निश्चित ही यह घटना काफी दुखद है।

इस घटना से मात्र कश्मीर के लोगों को ही नहीं, बल्कि देश के कोने-कोने में रहने वाले एक-एक आदमी को काफी क्षोभ होगा, काफी दुख होगा। ऐसी घटनाएं इस देश में बहुत दिनों से घटती आ रही हैं। अखबारों के माध्यम से और सदन में चर्चा हो जाती है और उसका निदान कितना हो पाता है, यह कहना बड़ा मुश्किल है। कल गृह मंत्री जी भी इस घटना पर काफी चिन्ता जाहिर कर रहे थे। हम तो यह मानते हैं कि कभी न कभी किसी गलती के कारण आतंकवादियों का मनोबल बढ़ जाता है। हम इस सदन में नहीं थे, अखबारों के माध्यम से हमने पढ़ा था कि इस देश के गृह मंत्री की पुत्री का अपहरण आतंकवादियों द्वारा किया गया था और पुत्री को मुक्त करने के लिए आतंकवादियों से समझौता किया गया, उन्हें छोड़ दिया गया था। उस समय आतंकवादियों का मनोबल बढ़ा होगा। ... (व्यवधान) हम यह कहना चाहते हैं कि यह बात तय है कि एक शायर ने कहा है कि ठऐ राही दिल्ली जाना तो कहना अपनी सरकार से, खर्चा चलता हाथ से और शासन चलता तल वार से।' सिर्फ भाषण से शासन नहीं चलेगा और जहां तक गृह मंत्री के इस्तीफे की बात की जा रही है, माननीय राम विलास पासवान जी ने कहा है, सब ने कहा है, पंजाब की घटनाएं घटी हैं, तब कांग्रेस का शासन था और राम विलास पासवान जी का भी शासन था, कितनी बार लोगों ने इस घटना पर इस्तीफा दिया है? इसलिए इस्तीफे का सवाल नहीं उठता है। हम यह कहना चाहते हैं कि सरकार इस बारे में बिल्कुल गम्भीर है, चिन्तित है। गृह मंत्री के नेतृत्व में वहां मंत्रिमण्डल की टीम गई हुई थी। सरकार सतर्क है, लेकिन हम सरकार से भी इतना कहना चाहते हैं कि सरकार की खुफिया एजेसी फेल है, सीमा पर सुरक्षा की गारण्टी नहीं है। इसी के कारण वहां पर हत्या की घटनाएं घट रही हैं, इसलिए सरकार इस पर गम्भीर होकर चिन्तन करके ऐसे आतंकवादियों पर कार्रवाई करे, जिससे इस तरह की घटना नहीं घट सके। धन्यवाद।

... (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह (मिर्जापुर): मुझे भी इस सबजैक्ट पर बोलना है।

... (व्यवधान)

वेणुगोपालाचारी जी के बाद मुझे भी कहना है।

MR. SPEAKER: Shri Virender Singh, please take your seat. I have called Dr. S. Venugopalachary.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I have not allowed you. You please take your seat.

... (Interruptions)

श्री वीरेन्द्र सिंह (मिर्जापुर): अध्यक्ष जी, मुझे भी इस विषय पर कहना है।

... (व्यवधान)

श्री प्रभुदयाल कठेरिया (फिरोजाबाद) : हम लोगों को भी मौका मिलना चाहिए। हमें मौका नहीं मिलता है।

">DR. S. VENUGOPALACHARY (ADILABAD): Mr. Speaker, it is a very sad incident. It is a very sensitive issue not only in Jammu and Kashmir but throughout the country. In one State or the other such terrorist activity is prevailing. But at this critical juncture, we should not criticise and blame each other. Parliament is the highest body in the country. Most of the veteran leaders have also spoken about this issue. Similar incidents have happened in the Congress regime also. Then what was the stand of the Congress? When the daughter of Shri Mufti Mohammed Sayeed, the then Home Minister was kidnapped, then you did not blame the ruling party!

So, this is not the situation or juncture to criticise each other. On this occasion, as hon. Shri Jakharji has said, we should stand united. Whenever we face such problems from neighbouring countries or the ISI agents, we should take stern action against anti-social elements.

So, I would request the Government, as rightly said by Kumari Mamata Banerjee, that they should provide emergency kith and kin of the people who have been massacred, some employment opportunities, and strong steps should be taken to control terrorism. This terrorism activity is prevailing not only in Jammu and Kashmir but throughout the country. In our State, Andhra Pradesh also, the PWG activities are going on.

I once again request that stern action should be taken by the Home Ministry to curb terrorism and the hon. Home Minister may come and apprise the House about the situation.

MR. SPEAKER: The matter raised by the hon. Leader of the Opposition and many hon. Members is of a very serious nature. The whole House is serious over this issue. Killing of the innocent people should be totally condemned by one and all. Now, I request the hon. Minister of Parliamentary Affairs to reply.

... (Interruptions)

श्री वीरेन्द्र सिंह : खुराना जी से पहले मैं कुछ कहना चाहता हूं।

... (व्यवधान)

*m15

">

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): हो गया। आप इस तरह से मत बोलिये।

... (व्यवधान)

अब आप बैठ जाइये।

... (व्यवधान)

अब हो गया, उन्होंने मुझे खड़ा कर दिया।

... (व्यवधान)

बैठ जाइये।

अध्यक्ष जी, मेरा निवेदन यह है, मैं पहले यह स्पष्ट कर दूं, जो कहा गया है।

होम मिनिस्टर साहब के लॉ एंड ऑर्डर के बारे में तीन-चार आइटम्स राज्य सभा में लगे हुए हैं। सुन लीजिए.

... (व्यवधान)

वह कल सदन में आकर अपना वक्तव्य दे देंगे। ... (व्यवधान)अगर राज्य सभा में आज हो गया तो आज ही आ जाएंगे वर्ना कल आ जाएंगे। ... (व्यवधान) जो कुछ डोडा में हुआ, उससे चिंतित है लेकिन मुझे एक कष्ट हो रहा है कि जो सोज़ साहब ने कहा, सोज़ साहब ने तो आतंकवादियों की निंदा की लेकिन हमारे लीडर ऑफ अपोजीशन और सी.पी.एम. के लीडर श्री बसुदेव आचार्य जी ने एक शब्द भी आतंकवाद की निंदा करते हुए नहीं कहा।

... (व्यवधान)

एक शब्द भी आतंकवाद की निंदा करते हुए नहीं कहा। आप पढ़ लीजिए।

... (व्यवधान)

उन्होंने सरकार की निंदा तो की है ... (व्यवधान) आप सुन लीजिए।

MR. SPEAKER: Shri Jogi, please let him complete.

श्री मदन लाल खुरानाः आप पढ़ लीजिए।

... (व्यवधान)

मैं तो ध्यान से सुनता रहा हूं तभी कह रहा हूं।

श्री अजीत जोगी (रायगढ़): पूर्णतया निंदा है।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः आतंकवाद को दबाना केवल सरकार का काम नहीं है। सब मिलकर उसे दबाएं, इस तरह का संकल्प होना चाहिए।

... (व्यवधान)

मैंने आपको बीच में नहीं टोका।

... (व्यवधान)

मैं यील्ड नहीं कर रहा हूं।

I am not yielding. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Let him complete.

श्री मदन लाल खुरानाः मैं सबकी बातें सुनता रहा। इस सरकार के ऊपर आरोप लगे, मैं सुनता रहा। मैं इतना कहना चाहता हूं कि जम्मू कश्मीर की यह समस्या केवल लॉ एंड ऑर्डर की नहीं है। यह इंसर्जेंसी है और यह इंसर्जेंसी आज से नहीं है, यह काफी समय से चली आ रही है। केन्द्रीय गृह मंत्री जी स्वयं दो बार और डिफेंस मिनिस्टर डोडा जिले में मौके पर जा चुके हैं। आतंकवादियों का टार्गेट बहुत साफ है। पहले जिस तरह कश्मीर वैली में ऐसी घटनाएं कर वहां से हिन्दू घरबार छोड़कर जम्मू, दिल्ली तथा देश के अन्य भागों में आए। अब लगता यह है कि उनका टार्गेट डोडा में है। अब उनका टार्गेट रजौरीपुंछ है, इसलिए अब इन क्षेत्रों में अल्पसंख्यकों को टार्गेट बनाकर आतंकवादियों ने ऐसी वारदातें शुरु की हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री वहां गए। वहां के गवर्नर, चीफ मिनिस्टर, वहां के सैनिक, अर्ध सैनिक बलों और पुलिस से मिलकर विस्तार से चर्चा की। उक्त सैनिक बलों का तालमेल कैसे बैठे, इस बारे में एक्शन प्लान बनाया। इस घटना के बाद केन्द्रीय सरकार

... (व्यवधान)

12.43 hrs. (Shri Basudeb Acharia in the Chair)

श्री राजेश पायलट : यह ठीक नहीं है।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः यह ठीक बात नहीं है। अब जब हम अपनी बात कह रहे हैं तो हमें बोलने नहीं दे रहे हैं।

... (व्यवधान)

SHRI N.K. PREMCHANDRAN (QUILON): He is reading the statement of the Home Minister.

MR. CHAIRMAN : He may be permitted to complete. Let him complete his statement.....(Interruptions) Let him complete first. Allow him to complete.

श्री मदन लाल खुरानाः इस घटना के बाद केन्द्रीय सरकार, प्रदेश की सरकार संयुक्त कदम उठा रही है। मेरा निवेदन यह है कि यहां की चर्चा के बाद मैसेज यह जाना चाहिए कि यह सारा सदन इस घटना से चिंतित है। आतंकवादियों को समाप्त करने के लिए सरकार कदम उठाए, उसके बारे में कहीं कमी है तो वह हमको बताएं लेकिन आतंकवाद को खत्म करने के लिए मैसेज जाना चाहिए। अगर मैसेज यह जाएगा कि इस्तीफा दे देना चाहिए तो

... (व्यवधान)

आपके टाइम में जो घटना इन्होंने बताई, मैं उसमें पड़ना नहीं चाहता।

... (व्यवधान)

... (व्यवधान)

हम केवल शब्दों से चिन्ता नहीं करते हैं, हम अपना एक्शन भी करते हैं।

... (व्यवधान)

जैसा मैंने पहले कहा, इस बारे में कल होम मिनिस्टर बयान देंगे या अगर आज समय होगा, तो आज बयान दे देंगे।

... (व्यवधान)

श्री राजेश पायलट (दौसा) : महोदय, हम मंत्री जी को चुनौती देते हैं। ... (व्यवधान) कल आडवाणी जी ने दो बार कहा कि हम विचार-विमर्श कर रहे हैं, **">DG**से बात ऋकर रहे हैं, पैरामिलिट्री फोर्स से बात कर रहे हैं। यह संतोषजनक बात नहीं है। जम्मू-कश्मीर के बारे में हमारी पालिसी थी, युनिफाइड कमान्ड की, कोआर्डिनेशन की। आप उसको भी लागू नहीं कर रहे हैं, इसलिए फेल्योर हो रहा है।

श्री मदन लाल खुरानाः मैने कह दिया कि वे आयेंगे, तो उसका जवाब देंगे। ... (व्यवधान)

श्री राजेश पायलट (दौसा) : आप एक्शन प्लान लेकर नहीं आ रहे हैं।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः आयेंगे, लेकिन आपने क्या किया, उसको आप बतायेंगे। ... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : The hon. Minister of Home Affairs will make a statement tomorrow. Now, I call Prof. A.K. Premajam.

... (Interruptions)

SHRI AMAR ROY PRADHAN (COOCHBEHAR): He should come to this House and make a statement today. (Interruptions)

SHRI N.K. PREMCHANDRAN : Why is the Minister of Parliamentary Affairs making a statement here? We want a statement from the Minister of Home Affairs only.

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): आज शाम को फ्री हुए, तो आज शाम को, नहीं तो कल, क्योंकि दूसरे सदन में उनको जाना है। ... (व्यवधान)

SHRI K. KARUNAKARAN (THIRUVANANTHAPURAM): The hon. Minister of Home Affairs is sitting in the other House, Rajya Sabha. (Interruptions) The hon. Minister of Parliamentary Affairs should contact the Minister of Home Affairs and fix the time for him to come before this House today itself and make a statement. (Interruptions)

PROF. A.K. PREMAJAM (BADAGARA): Mr. Chairman, Sir, I may be permitted to speak. (Interruptions) They are disturbing me.

MR. CHAIRMAN: Shri Ramdas Athawale, please sit down.

मोहन सिंह जी ने कहा कि जब मैं अपोजीशन में था, तो मैं पंडितों के बारे में कहता था। मैं केवल कहता नहीं था, एक लाख पंडित जो वैली से यहां दिल्ली में आए, उनकी अगर किसी ने देखभाल की, किसी ने सेवा की, तो "> **BJP**ने की थी। यह मैं कहना चाहता हूं।